मूल्यों, शिक्षा और संवेदनशील नेतृत्व की विरासत को समर्पित रहा उपकार कृष्ण शर्मा मेमोरियल लेक्चर

तकनीकी प्रगति के बीच मूल्य आधारित नेतृत्व की आवश्यकता : प्रो. करमजीत सिंह

चंडीगढ़, 1 मार्च (विशेष संवाददाता): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पूर्व प्रेसिडेंट उपकार कृष्ण शर्मा की जयंती पर तीसरे मेमोरियल लेक्चर का आयोजन कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व, मूल्यों और शैक्षिक दृष्टि को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनकी पुत्री एवं वर्तमान प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अपने पिता के जीवन से जुड़े प्रेरक और संवेदनशील प्रसंग साझा किए। उन्होंने कहा कि उनके पिता का जीवन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और करुणा के सिद्धांतों पर आधारित था। उनके लिए जाति, पंथ, धर्म, लिंग अथवा सामाजिक स्थिति से ऊपर मानवता का मूल्य सर्वोपरि था। उन्होंने बताया कि स्वर्गीय शर्मा ने अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। विशेष रूप से बालिकाओं के सशक्तिकरण में उनकी गहरी आस्था उनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की सोच और संरचना में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वैशाली शर्मा ने कोविड-19 संकट के कठिन समय को याद करते हुए कहा कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया, जो उनके कर्तव्यबोध और जिम्मेदारी की भावना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि उनके जीवन का उद्देश्य सदैव अपने पिता की अपेक्षाओं और मूल्यों पर खरा उतरना रहा है। कार्यक्रम के आमंत्रित वक्ता गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के वाइस-चांसलर प्रो.करमजीत सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा को स्मरण करने का अवसर भर नहीं, बल्कि उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण करने का एक सार्थक मंच है। उन्होंने कहा कि महान संस्थान संयोगवश नहीं बनते, बल्कि दूरदर्शी सोच, स्पष्ट उद्देश्य और सुनियोजित प्रयासों से आकार लेते हैं और यही गुण स्वर्गीय शर्मा के नेतृत्व की विशिष्ट पहचान थे।

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया कॉलेज परिसर में पीएम-उषा योजना के अंतर्गत निर्मित उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर का विधिवत उद्घाटन करते हुए। (छाया : गुरिंदर सिंह)

उनके नेतृत्व में संस्थान केवल विकसित ही नहीं हुए, बल्कि उन्होंने स्थायी व्यवस्थाओं और सशक्त कार्यसंस्कृति की नींव रखी। प्रो. सिंह ने रेखांकित किया कि स्वर्गीय शर्मा ने अनुशासन, जवाबदेही और नैतिक विश्वसनीयता पर आधारित एक ऐसी संस्थागत संस्कृति का निर्माण किया, जिसने दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की। उन्होंने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में संतुलन रखते हुए प्रतिभा को प्रोत्साहित किया, जिससे संस्थान मूल्य-आधारित दिशा में आगे बढ़ा। समकालीन चुनौतियों पर बोलते हुए प्रो.करमजीत सिंह ने कहा कि तकनीकी प्रगति के बावजूद आज समाज को संवेदनशील और विनम्र नेतृत्व की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए समस्या-समाधान की क्षमता, विश्लेषणात्मक चिंतन, प्रभावी संवाद कौशल तथा डिजिटल दक्षता विकसित करने पर बल दिया। लेक्चर का समापन इस आह्वान के साथ हुआ कि स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि देने का सर्वोत्तम मार्ग संस्थागत उत्कृष्टता को सुदृढ़ करना, प्रतिभा को प्रोत्साहित करना, सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील बने रहना, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना तथा तकनीकी नवाचार को समानता के मूल्यों के साथ समाहित करना है—ये वही आदर्श थे जिन्होंने उनके जीवन और विरासत को विशिष्ट पहचान प्रदान की।

प्रशासक ने 'उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर' का किया उद्घाटन : स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा की प्रेरणादायी विरासत को श्रद्धांजलि स्वरूप पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने कॉलेज परिसर में पीएम-उषा योजना के अंतर्गत निर्मित उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर का विधिवत उद्घाटन किया। यह ओपन एयर थिएटर समग्र एवं बहुआयामी शिक्षा की अवधारणा का प्रतीक होगा, जहाँ शिक्षण केवल कक्षाओं तक सीमित न रहकर संस्कृति, सृजनात्मकता, संवाद और अभिव्यक्ति के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
02-Mar-2026
Page: 5
http://www.ajitsamachar.com/20260302/20/5/1_1.cms

amarujala.com/chandigarh

चंडीगढ़ | सोमवार • 02.03.2026

my city

अमर उजाला

06

तकनीकी युग में संवेदनशील नेतृत्व की जरूरत : प्रो. करमजीत सिंह

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने किया ओपन एयर थिएटर का उद्घाटन

माई सिटी रिपोर्टर

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित एसडी कॉलेज में रविवार को पूर्व प्रेसिडेंट स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा की जयंती पर तीसरे मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उनके मूल्यों, शैक्षिक दृष्टि और संवेदनशील नेतृत्व को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

कॉलेज की वर्तमान प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने अपने पिता के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग साझा करते हुए कहा कि उनका जीवन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और करुणा पर आधारित था। उन्होंने बालिका शिक्षा और संस्थागत विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

कोविड काल में अस्पताल में भर्ती रहने के बावजूद कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित करना उनके कर्तव्यबोध का उदाहरण रहा। मुख्य वक्ता गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर प्रो. करमजीत सिंह ने कहा कि महान संस्थान दूरदर्शी नेतृत्व से बनते हैं। तकनीकी प्रगति के बीच समाज को विनम्र और मूल्य-आधारित नेतृत्व की आवश्यकता है। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने पीएम-उषा योजना के तहत निर्मित उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर का उद्घाटन किया, जो विद्यार्थियों के समग्र विकास का नया मंच बनेगा।

एसडी कॉलेज में हुए कार्यक्रम में स्व. उपकार कृष्ण शर्मा को पुष्पांजलि देते अतिथि। कॉलेज

Arth Parkash 2-3-26

तकनीकी प्रगति के बीच मूल्य आधारित नेतृत्व की आवश्यकता : प्रो. करमजीत सिंह

मूल्यों, शिक्षा और संवेदनशील नेतृत्व की विरासत को समर्पित रहा उपकार कृष्ण शर्मा मेमोरियल लेक्चर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पूर्व प्रेसिडेंट उपकार कृष्ण शर्मा की जयंती पर तीसरे मेमोरियल लेक्चर का आयोजन कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व, मूल्यों और शैक्षिक दृष्टि को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनकी पुत्री एवं वर्तमान प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अपने पिता के जीवन से जुड़े प्रेरक और संवेदनशील प्रसंग साझा किए। उन्होंने कहा कि उनके पिता का जीवन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और करुणा के सिद्धांतों पर आधारित था। उनके लिए जाति, पंथ, धर्म, लिंग अथवा सामाजिक स्थिति से ऊपर मानवता का मूल्य सर्वोपरि था।

उन्होंने बताया कि स्वर्गीय शर्मा ने अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। विशेष रूप से बालिकाओं के सशक्तिकरण में उनकी गहरी आस्था उनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की सोच और संरचना में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वैशाली शर्मा ने कोविड-19 संकट के कठिन समय को याद करते हुए कहा कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया, जो उनके कर्तव्यबोध और जिम्मेदारी की भावना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि उनके जीवन का उद्देश्य सदैव अपने पिता की अपेक्षाओं और मूल्यों पर खरा उतरना रहा है।

कार्यक्रम के आमंत्रित वक्ता गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के वाइस-चांसलर प्रो.करमजीत सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा को स्मरण करने का अवसर भर नहीं, बल्कि उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण करने का एक सार्थक मंच है। उन्होंने कहा कि महान संस्थान संयोगवश नहीं बनते, बल्कि दूरदर्शी सोच, स्पष्ट उद्देश्य और सुनियोजित प्रयासों से आकार लेते हैं।

तकनीकी प्रगति के बीच मूल्य आधारित नेतृत्व की आवश्यकता: प्रो. सिंह

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पूर्व प्रेसिडेंट उपकार कृष्ण शर्मा की जयंती पर तीसरे मेमोरियल लेक्चर का आयोजन कॉलेज में किया गया।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व, मूल्यों और शैक्षिक दृष्टि को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनकी पुत्री एवं वर्तमान प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अपने पिता के जीवन से जुड़े प्रेरक और संवेदनशील प्रसंग साझा किए। उन्होंने कहा कि उनके पिता का जीवन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और करुणा के सिद्धांतों पर आधारित था। उनके लिए जाति, पंथ, धर्म, लिंग अथवा सामाजिक स्थिति से ऊपर मानवता का मूल्य सर्वोपरि था।

Chandigarh Bhaskar 2-3-26

उपकार कृष्ण शर्मा मेमोरियल लेक्चर: मूल्य, शिक्षा व संवेदनशील नेतृत्व को दी श्रद्धांजलि

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पूर्व प्रेसिडेंट उपकार कृष्ण शर्मा की जयंती पर तीसरा मेमोरियल लेक्चर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व, मूल्यों और शैक्षिक दृष्टि को याद करते हुए विद्यार्थियों और शिक्षक समुदाय ने श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी पुत्री और वर्तमान प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने कहा कि उनके पिता का जीवन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और करुणा पर आधारित था।

उन्होंने बालिकाओं के सशक्तिकरण और संस्थानों की स्थायी व्यवस्था के लिए अपना जीवन समर्पित किया। कोविड-19 के समय अस्पताल में रहते हुए उन्होंने कर्मचारियों के वेतन समय पर सुनिश्चित किया, जो उनके जिम्मेदारीबोध का उदाहरण है। कार्यक्रम के दौरान पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने पीएम-उषा योजना के तहत निर्मित उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर का उद्घाटन किया। यह थिएटर शिक्षा, संस्कृति और सृजनात्मकता के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रतीक होगा।

उपकार कृष्ण शर्मा का नेतृत्व दूरदर्शी सोच का प्रतीक

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के वाइस-चांसलर प्रो. करमजीत सिंह ने कहा कि उपकार कृष्ण शर्मा का नेतृत्व दूरदर्शी सोच, नैतिकता और संस्थागत स्थिरता का प्रतीक था। उन्होंने विद्यार्थियों को समस्या-समाधान, विश्लेषणात्मक सोच, प्रभावी संवाद और डिजिटल दक्षता विकसित करने का संदेश दिया। लेखक ने कहा कि उपकार कृष्ण शर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि का सर्वोत्तम तरीका उनकी संस्थागत उत्कृष्टता को बनाए रखना, प्रतिभा को प्रोत्साहित करना, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना और तकनीकी नवाचार में समानता के मूल्यों को बनाए रखना है।

मूल्यों, शिक्षा और संवेदनशील नेतृत्व की विरासत को समर्पित रहा उपकार कृष्ण शर्मा मेमोरियल लेक्चर

तकनीकी प्रगति के बीच मूल्य आधारित नेतृत्व की आवश्यकता: प्रो. करमजीत सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पूर्व प्रेसिडेंट उपकार कृष्ण शर्मा की जयंती पर तीसरे मेमोरियल लेक्चर का आयोजन कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व, मूल्यों और शैक्षिक दृष्टि को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनकी पुत्री एवं वर्तमान प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अपने पिता के जीवन से जुड़े प्रेरक और संवेदनशील प्रसंग साझा किए। उन्होंने कहा कि उनके पिता का जीवन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और करुणा के सिद्धांतों पर आधारित था। उनके लिए जाति, पंथ, धर्म, लिंग अथवा सामाजिक स्थिति से ऊपर मानवता का मूल्य सर्वोपरि था।

उन्होंने बताया कि स्वर्गीय शर्मा ने अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। विशेष रूप से बालिकाओं के सशक्तिकरण में उनकी गहरी आस्था उनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की सोच और संरचना में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वैशाली शर्मा ने कोविड-19 संकट के कठिन समय को याद करते हुए कहा कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया, जो उनके कर्तव्यबोध और जिम्मेदारी की भावना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि उनके जीवन का उद्देश्य सदैव अपने पिता की अपेक्षाओं और मूल्यों पर खरा उतरना रहा है।

कार्यक्रम के आमंत्रित वक्ता गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के वाइस-चांसलर प्रो.करमजीत सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा को स्मरण करने का अवसर भर नहीं, बल्कि उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण करने का एक सार्थक मंच है। उन्होंने कहा कि महान संस्थान संयोगवश नहीं बनते, बल्कि दूरदर्शी सोच, स्पष्ट उद्देश्य और सुनियोजित प्रयासों से आकार लेते हैं– और यही गुण स्वर्गीय शर्मा के नेतृत्व की विशिष्ट पहचान थे। उनके नेतृत्व में संस्थान केवल विकसित ही नहीं हुए, बल्कि उन्होंने स्थायी व्यवस्थाओं और सशक्त कार्यसंस्कृति की नींव रखी।

प्रो. सिंह ने रेखांकित किया कि स्वर्गीय शर्मा ने अनुशासन, जवाबदेही और नैतिक विश्वसनीयता पर आधारित एक ऐसी संस्थागत संस्कृति का निर्माण किया, जिसने दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की। उन्होंने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में संतुलन रखते हुए प्रतिभा को प्रोत्साहित किया, जिससे संस्थान मूल्य-आधारित दिशा में आगे बढ़ा। समकालीन चुनौतियों पर बोलते हुए प्रो.करमजीत सिंह ने कहा कि तकनीकी प्रगति के बावजूद आज समाज को संवेदनशील और विनम्र नेतृत्व की आवश्यकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए समस्या-समाधान की क्षमता, विश्लेषणात्मक चिंतन, प्रभावी संवाद कौशल तथा डिजिटल दक्षता विकसित करने पर बल दिया। लेक्चर का समापन इस आान के साथ हुआ कि स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि देने का सर्वोत्तम मार्ग संस्थागत उत्कृष्टता को सुदृढ़ करना, प्रतिभा को प्रोत्साहित करना, सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील बने रहना, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना तथा तकनीकी नवाचार को समानता के मूल्यों के साथ समाहित करना है–ये वही आदर्श थे जिन्होंने उनके जीवन और विरासत को विशिष्ट पहचान प्रदान की।

प्रशासक ने उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर का किया उद्घाटन

स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा की प्रेरणादायी विरासत को श्रद्धांजलि स्वरूप पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने कॉलेज परिसर में पीएम-उषा योजना के अंतर्गत निर्मित उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर का विधिवत उद्घाटन किया। यह ओपन एयर थिएटर समग्र एवं बहु आयामी शिक्षा की अवधारणा का प्रतीक होगा, जहाँ शिक्षण केवल कक्षाओं तक सीमित न रहकर संस्कृति, सृजनात्मकता, संवाद और अभिव्यक्ति के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

Daimik Savera Times 2-3-26

'तकनीकी दौर में भी मूल्य आधारित नेतृत्व जरूरी'

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पूर्व प्रेसिडेंट उपकार कृष्ण शर्मा की जयंती पर तीसरे मेमोरियल लेक्चर का आयोजन कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम उनके जीवन मूल्यों, शैक्षिक दृष्टि और संवेदनशील नेतृत्व को समर्पित रहा। कालेज की वर्तमान अध्यक्ष वैशाली शर्मा ने अपने संबोधन में पिता से जुड़े प्रेरक प्रसंग साझा किए। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय शर्मा का जीवन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और करुणा पर आधारित था।

उनके लिए मानवता सर्वोपरि थी। कोविड-19 के कठिन समय में अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित करना उनके कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व का उदाहरण है। मुख्य वक्ता के रूप में गुरु देव

उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर का उद्घाटन करते प्रशासक गुलाब चंद कटारिया • कालेज

नानक यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. करमजीत सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि महान संस्थान दूरदर्शी सोच और स्पष्ट उद्देश्य से बनते हैं। स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा ने अनुशासन, जवाबदेही और नैतिक मूल्यों पर आधारित संस्थागत संस्कृति की मजबूत नींव रखी। प्रो. सिंह ने कहा कि तकनीकी प्रगति के इस दौर में समाज को संवेदनशील और विनम्र नेतृत्व की आवश्यकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों को विश्लेषणात्मक सोच, समस्या समाधान क्षमता, संवाद कौशल और डिजिटल दक्षता विकसित करने का संदेश दिया। प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने पीएम-उषा योजना के अंतर्गत निर्मित 'उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर' का उद्घाटन किया। यह मंच विद्यार्थियों के सांस्कृतिक और सृजनात्मक विकास को नई दिशा देगा। कार्यक्रम का समापन उपकार कृष्ण शर्मा की विरासत को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

Dainik Savera Times 2-3-26

तकनीकी प्रगति के बीच मूल्य आधारित नेतृत्व की आवश्यकता: प्रो. करमजीत सिंह

मूल्यों, शिक्षा और संवेदनशील नेतृत्व की विरासत को समर्पित रहा उपकार कृष्ण शर्मा मैमोरियल लैक्चर

प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने कॉलेज परिसर में पीएम-उषा योजना के अंतर्गत निर्मित उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर का विधिवत उद्घाटन करते हुए।

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के वाइस-चांसलर प्रो.करमजीत सिंह को सम्मानित करते कालेज के पदाधिकारी।

प्रशासक ने 'उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर' का किया उद्घाटन

स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा की प्रेरणादायी विरासत को श्रद्धांजलि स्वरूप पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने कॉलेज परिसर में पीएम-उषा योजना के अंतर्गत निर्मित उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर का विधिवत उद्घाटन किया। यह ओपन एयर थिएटर समग्र एवं बहुआयामी शिक्षा की अवधारणा का प्रतीक होगा, जहाँ शिक्षण केवल कक्षाओं तक सीमित न रहकर संस्कृति, सृजनात्मकता, संवाद और अभिव्यक्ति के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

सवेरा न्यूज / राकेश

चंडीगढ़, 1 मार्च : गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पूर्व प्रेसिडेंट उपकार कृष्ण शर्मा की जयंती पर तीसरे मेमोरियल लेक्चर का आयोजन कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व, मूल्यों और शैक्षिक दृष्टि को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनकी पुत्री एवं वर्तमान प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अपने पिता के जीवन से जुड़े प्रेरक और संवेदनशील प्रसंग साझा किए। उन्होंने कहा कि उनके पिता का जीवन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और करुणा के सिद्धांतों पर आधारित था। उनके लिए जाति, पंथ, धर्म, लिंग अथवा सामाजिक स्थिति से ऊपर मानवता का मूल्य सर्वोपरि था।

उन्होंने बताया कि स्वर्गीय शर्मा ने अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। विशेष रूप से बालिकाओं के सशक्तिकरण में उनकी गहरी आस्था उनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की सोच और संरचना में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वैशाली शर्मा ने कोविड-19 संकट के कठिन समय को याद करते हुए कहा कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया, जो उनके कर्तव्यबोध और जिम्मेदारी की भावना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि उनके जीवन का उद्देश्य सदैव अपने पिता की अपेक्षाओं और मूल्यों पर खरा उतरना रहा है। कार्यक्रम के आमंत्रित वक्ता गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के वाइस-चांसलर प्रो.करमजीत सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा को स्मरण करने का अवसर भर नहीं, बल्कि उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण करने का एक सार्थक मंच है। समकालीन चुनौतियों पर बोलते हुए प्रो.करमजीत सिंह ने कहा कि तकनीकी प्रगति के बावजूद आज समाज को संवेदनशील और विनम्र नेतृत्व की आवश्यकता है।

Divya Himachal 2-3-26

एसडी कालेज में स्पेशल लेक्चर

सेक्टर-32 में प्रेजिडेंट वैशाली शर्मा ने जागरूक किए छात्र

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

चंडीगढ़। कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं चीफ गेस्ट वैशाली शर्मा

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पूर्व प्रेजिडेंट उपकार कृष्ण शर्मा की जयंती पर तीसरे मेमोरियल लेक्चर का आयोजन कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व, मूल्यों और शैक्षिक दृष्टि को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनकी पुत्री एवं वर्तमान प्रेजिडेंट वैशाली शर्मा ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अपने पिता के जीवन से जुड़े प्रेरक और संवेदनशील प्रसंग साझा किए। उन्होंने कहा कि उनके पिता का जीवन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और करुणा के सिद्धांतों पर आधारित था। उनके लिए जाति, पंथ, धर्म, लिंग अथवा सामाजिक स्थिति से ऊपर मानवता का मूल्य सर्वोपरि था। उन्होंने बताया कि स्वर्गीय शर्मा ने अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। विशेष रूप से बालिकाओं के सशक्तिकरण में उनकी गहरी आस्था उनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की सोच और संरचना में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वैशाली शर्मा ने कोविड-19 संकट के कठिन समय को याद करते हुए कहा कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित किय।

मूल्यों, शिक्षा और संवेदनशील नेतृत्व की विरासत को समर्पित रहा उपकार कृष्ण शर्मा मेमोरियल लेक्चर

फास्ट मीडिया/चंडीगढ़/अंजू मोदगिल

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पूर्व प्रेसिडेंट उपकार कृष्ण शर्मा की जयंती पर तीसरे मेमोरियल लेक्चर का आयोजन कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व, मूल्यों और शैक्षिक दृष्टि को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनकी पुत्री एवं वर्तमान प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अपने पिता के जीवन से जुड़े प्रेरक और संवेदनशील प्रसंग साझा किए। उन्होंने कहा कि उनके पिता का जीवन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और करुणा के सिद्धांतों पर आधारित था। उनके लिए जाति, पंथ, धर्म, लिंग अथवा सामाजिक स्थिति से ऊपर मानवता का मूल्य सर्वोपरि था। उन्होंने बताया कि स्वर्गीय शर्मा ने अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। विशेष रूप से बालिकाओं के सशक्तिकरण में उनकी गहरी आस्था उनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की सोच और संरचना में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वैशाली शर्मा ने कोविड-19 संकट के कठिन समय को याद करते हुए कहा कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया, जो उनके कर्तव्यबोध और जिम्मेदारी की भावना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि उनके जीवन का उद्देश्य सदैव अपने पिता की अपेक्षाओं और मूल्यों पर खरा उतरना रहा है। कार्यक्रम के आमंत्रित वक्ता गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के वाइस-चांसलर प्रो.करमजीत सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा को स्मरण करने का अवसर भर नहीं, बल्कि उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण करने का एक सार्थक मंच है। उन्होंने कहा कि महान संस्थान संयोगवश नहीं बनते, बल्कि दूरदर्शी सोच, स्पष्ट उद्देश्य और सुनियोजित प्रयासों से आकार लेते हैं—और यही गुण स्वर्गीय शर्मा के नेतृत्व की विशिष्ट पहचान थे। उनके नेतृत्व में संस्थान केवल विकसित ही नहीं हुए, बल्कि उन्होंने स्थायी व्यवस्थाओं और सशक्त कार्यसंस्कृति की नींव रखी। प्रो. सिंह ने रेखांकित किया कि स्वर्गीय शर्मा ने अनुशासन, जवाबदेही और नैतिक विश्वसनीयता पर आधारित एक ऐसी संस्थागत संस्कृति का निर्माण किया, जिसने दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की। उन्होंने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में संतुलन रखते हुए प्रतिभा को प्रोत्साहित किया, जिससे संस्थान मूल्य-आधारित दिशा में आगे बढ़ा। समकालीन चुनौतियों पर बोलते हुए प्रो. करमजीत सिंह ने कहा कि तकनीकी प्रगति के बावजूद आज समाज को संवेदनशील और विनम्र नेतृत्व की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए समस्या-समाधान की क्षमता, विश्लेषणात्मक चिंतन, प्रभावी संवाद कौशल तथा डिजिटल दक्षता विकसित करने पर बल दिया। लेक्चर का समापन इस आह्वान के साथ हुआ कि स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि देने का सर्वोत्तम मार्ग संस्थागत उत्कृष्टता को सुदृढ़ करना, प्रतिभा को प्रोत्साहित करना, सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील बने रहना, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना तथा तकनीकी नवाचार को समानता के मूल्यों के साथ समाहित करना है—ये वही आदर्श थे जिन्होंने उनके जीवन और विरासत को विशिष्ट पहचान प्रदान की।

आयोजन

तकनीकी प्रगति के बीच मूल्य आधारित नेतृत्व की आवश्यकता : प्रो. करमजीत सिंह

मूल्यों, शिक्षा और संवेदनशील नेतृत्व की विरासत को समर्पित रहा उपकार कृष्ण शर्मा मेमोरियल लेक्चर

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पूर्व प्रेसिडेंट उपकार कृष्ण शर्मा की जयंती पर तीसरे मेमोरियल लेक्चर का आयोजन कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व, मूल्यों और शैक्षिक दृष्टि को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनकी पुत्री एवं वर्तमान प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अपने पिता के जीवन से जुड़े प्रेरक और संवेदनशील प्रसंग साझा किए। उन्होंने कहा कि उनके पिता का जीवन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और करुणा के सिद्धांतों पर आधारित था। उनके लिए जाति, पंथ, धर्म, लिंग अथवा सामाजिक स्थिति से ऊपर मानवता का मूल्य सर्वोपरि था।

उन्होंने बताया कि स्वर्गीय शर्मा ने अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए

अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। विशेष रूप से बालिकाओं के सशक्तिकरण में उनकी गहरी आस्था उनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की सोच और संरचना में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वैशाली शर्मा ने कोविड-19 संकट के कठिन समय को याद करते हुए कहा कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया, जो उनके कर्तव्यबोध और जिम्मेदारी की भावना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि उनके जीवन का उद्देश्य सदैव अपने पिता की अपेक्षाओं और मूल्यों पर खरा उतरना रहा है।

कार्यक्रम के आमंत्रित वक्ता गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के वाइस-चांसलर प्रो.करमजीत सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा को स्मरण करने का अवसर भर नहीं, बल्कि उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण करने का एक सार्थक मंच है। उन्होंने कहा कि महान संस्थान संयोगवश नहीं बनते, बल्कि दूरदर्शी सोच, स्पष्ट उद्देश्य और सुनियोजित प्रयासों से आकार लेते हैं–और यही गुण स्वर्गीय शर्मा के नेतृत्व की विशिष्ट पहचान थे। उनके नेतृत्व में संस्थान केवल विकसित ही नहीं हुए, बल्कि उन्होंने स्थायी व्यवस्थाओं और सशक्त कार्यसंस्कृति की नींव रखी।

प्रो. सिंह ने रेखांकित किया कि स्वर्गीय शर्मा ने अनुशासन, जवाबदेही और नैतिक विश्वसनीयता पर आधारित एक ऐसी संस्थागत संस्कृति का निर्माण किया, जिसने दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की। उन्होंने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में संतुलन रखते हुए प्रतिभा को प्रोत्साहित किया, जिससे संस्थान मूल्य-आधारित दिशा में आगे बढ़ा। समकालीन चुनौतियों पर बोलते हुए प्रो.करमजीत सिंह ने कहा कि तकनीकी प्रगति के बावजूद आज समाज को संवेदनशील और विनम्र नेतृत्व की आवश्यकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए समस्या-समाधान की क्षमता, विश्लेषणात्मक चिंतन, प्रभावी संवाद कौशल तथा डिजिटल दक्षता विकसित करने पर बल दिया।

Punjab Kesari 2-3-26

तकनीकी प्रगति के बीच मूल्य आधारित नेतृत्व की आवश्यकता : प्रो. करमजीत

मूल्यों, शिक्षा और संवेदनशील नेतृत्व की विरासत को समर्पित रहा उपकार कृष्ण शर्मा मैमोरियल लैक्चर

चंडीगढ़, 1 मार्च (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पूर्व प्रैजीडैंट उपकार कृष्ण शर्मा की जयंती पर तीसरे मैमोरियल लैक्चर का आयोजन कॉलेज में किया गया।

कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व, मूल्यों और शैक्षिक दृष्टि को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनकी पुत्री एवं वर्तमान प्रैजीडैंट वैशाली शर्मा ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अपने पिता के जीवन से जुड़े प्रेरक और संवेदनशील प्रसंग साझा किए।

उन्होंने कहा कि उनके पिता का जीवन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और करुणा के सिद्धांतों पर आधारित था। उनके लिए जाति, पंथ, धर्म, लिंग अथवा सामाजिक स्थिति से ऊपर मानवता का मूल्य सर्वोपरि था।

उन्होंने बताया कि स्वर्गीय शर्मा ने अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। विशेष रूप से बालिकाओं के सशक्तिकरण में उनकी गहरी आस्था

रंगमंच का उद्घाटन करते प्रशासक गुलाब चंद कटारिया। परमजीत

उनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की सोच और संरचना में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वैशाली शर्मा ने कोविड-19 संकट के कठिन समय को याद करते हुए कहा कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया, जो उनके कर्तव्यबोध और जिम्मेदारी की भावना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि उनके जीवन का उद्देश्य सदैव अपने पिता की अपेक्षाओं और मूल्यों पर खरा उतरना रहा है।

आमंत्रित वक्ता गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के वाइस-चांसलर प्रो. करमजीत सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा को स्मरण करने का अवसर भर नहीं, बल्कि उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण करने का एक सार्थक मंच है। उन्होंने कहा कि महान संस्थान संयोगवश नहीं बनते, बल्कि दूरदर्शी सोच, स्पष्ट उद्देश्य और सुनियोजित प्रयासों से आकार लेते हैं—और यही गुण स्वर्गीय शर्मा के नेतृत्व की विशिष्ट पहचान थे। उनके नेतृत्व में संस्थान केवल विकसित ही नहीं हुए, बल्कि उन्होंने स्थायी व्यवस्थाओं और सशक्त कार्यसंस्कृति की नींव रखी।

प्रशासक ने उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर का किया उद्घाटन

स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा की प्रेरणादायी विरासत को श्रद्धांजलि स्वरूप पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने कॉलेज परिसर में पीएम-उषा योजना के अंतर्गत निर्मित उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर का विधिवत उद्घाटन किया। यह ओपन एयर थिएटर समग्र एवं बहुआयामी शिक्षा की अवधारणा का प्रतीक होगा, जहाँ शिक्षण केवल कक्षाओं तक सीमित न रहकर संस्कृति, सृजनात्मकता, संवाद और अभिव्यक्ति के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मूल्यों, शिक्षा और संवेदनशील नेतृत्व की विरासत को समर्पित रहा उपकार कृष्ण शर्मा मेमोरियल लेक्चर

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पूर्व प्रेसिडेंट उपकार कृष्ण शर्मा की जयंती पर तीसरे मेमोरियल लेक्चर का आयोजन कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व, मूल्यों और शैक्षिक दृष्टि को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनकी पुत्री एवं वर्तमान प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अपने पिता के जीवन से जुड़े प्रेरक और संवेदनशील प्रसंग साझा किए। उन्होंने कहा कि उनके पिता का जीवन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और करुणा के सिद्धांतों पर आधारित था। उनके लिए जाति, पंथ, धर्म, लिंग अथवा सामाजिक स्थिति से ऊपर मानवता का मूल्य सर्वोपरि था।

उन्होंने बताया कि स्वर्गीय शर्मा ने अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। विशेष रूप से बालिकाओं के सशक्तिकरण में उनकी गहरी आस्था उनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की सोच और संरचना में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वैशाली शर्मा ने कोविड-19 संकट के कठिन समय को याद करते हुए कहा कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया, जो उनके कर्तव्यबोध और जिम्मेदारी की भावना का जीवंत उदाहरण है। कार्यक्रम के आमंत्रित वक्ता गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के वाइस-चांसलर प्रो.करमजीत सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा को स्मरण करने का अवसर भर नहीं, बल्कि उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण करने का एक सार्थक मंच है। उन्होंने कहा कि महान संस्थान संयोगवश नहीं बनते, बल्कि दूरदर्शी सोच, स्पष्ट उद्देश्य और सुनियोजित प्रयासों से आकार लेते हैं—और यही गुण स्वर्गीय शर्मा के नेतृत्व की विशिष्ट पहचान थे। प्रो. सिंह ने रेखांकित किया कि स्वर्गीय शर्मा ने अनुशासन, जवाबदेही और नैतिक विश्वसनीयता पर आधारित एक ऐसी संस्थागत संस्कृति का निर्माण किया, जिसने दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की। उन्होंने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में संतुलन रखते हुए प्रतिभा को प्रोत्साहित किया।

दैनिक उत्तम हिन्दू
स्थापना 1983
पंजाब ■ हरियाणा ■ हिमाचल ■ चंडीगढ़ ■ दिल्ली ■ उत्तर प्रदेश

मूल्यों, शिक्षा और संवेदनशील नेतृत्व की विरासत को समर्पित रहा लैक्चर

चंडीगढ़/विज: सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पूर्व प्रैसीडैंट उपकार कृष्ण शर्मा की जयंती पर तीसरे मैमोरियल लैक्चर का आयोजन कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व, मूल्यों और शैक्षिक दृष्टि को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनकी पुत्री एवं वर्तमान प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अपने पिता के जीवन से जुड़े प्रेरक और संवेदनशील प्रसंग साझा किए। उन्होंने कहा कि उनके पिता का जीवन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और करुणा के सिद्धांतों पर आधारित था। उनके लिए जाति, पंथ, धर्म, लिंग अथवा सामाजिक स्थिति से ऊपर मानवता का मूल्य सर्वोपरि था। उन्होंने बताया कि स्वर्गीय शर्मा ने अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। विशेष रूप से बालिकाओं के सशक्तिकरण में उनकी गहरी आस्था उनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की सोच और संरचना में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

Chandigarh Edition
Mar 02, 2026 Page No. 5
Powered by: erelego.com